29 सितंबर 2011

दूसरा दिन

मां ब्रह्मचारिणी

ॐ ब्रह्मचारिणी देव्यैः नमः।

नवरात्र के दूसरे दिन भगवती मां ब्रह्मचारिणी की पूजा, अर्चना का विधान है। साधक एवं योगी इस दिन अपने मन को भगवती मां के श्री चरणों मे एकाग्रचित करके स्वाधिष्ठान चक्र में स्थित करते हैं और मां की कृपा प्राप्त करते हैं। ब्रह्म शब्द का तात्पर्य (तपस्या)। ब्रह्मचारिणी का तात्पर्य तप का आचरण करने वाली ब्रह्म-चारिणी देवी का स्वरूप ज्योतिर्मय एवं महान है। मां के दाहिने हाथ में जप माला एवं बायें हाथ में कमंडल सुशोभित रहता है। अपने पूर्व जन्म में वे हिमालय (पर्वतराज) के घर कन्या रूप में प्रकट हुई थीं। तब इन्होंने देवर्षि नारद जी के उपदेशानुसार कठिन तपस्या करके भगवान शंकर को अपने पति के रूप में प्राप्त किया था। माँ ब्रह्मचारिणी की उपासना से मनोरथ सिद्धि, विजय एवं नीरोगता की प्राप्ति होती है तथा मां के निर्मल स्वरूप के दर्शन प्राप्त होते हैं। प्रेम युक्त की गयी भक्ति से साधक का सर्व प्रकार से दुःख-दारिद्र का विनाश एवं सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

साधना विधि

मां ब्रह्मचारिणी की प्रतिमा या तस्वीर को लकड़ी के पट्टे पर लाल कपड़ा बिछाकर स्थापित करें और उस पर हल्दी से रंगे हुए पीले चावल की ढेरी लगाकर उसके ऊपर हकीक पत्थर की 108 मनकों की माला रखें। परिवार या व्यक्ति विशेष के आरोग्य के लिए एवं अन्य मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु मनोकामना गुटिका रखकर हाथ में लाल पुष्प लेकर मां ब्रह्मचारिणी का ध्यान करें।

मनोकामना गुटिका पर पुष्पांजलि अर्पित कर उसका पंचोपचार विधि से पूजन करें। तदुपरान्त दूध से निर्मित नैवेद्य मां ब्रह्मचारिणी को अर्पित करें। देशी घी से दीप प्रज्जवलित रहे। हकीक की माला से 108 बार मंत्र का जाप करें - 'ॐ ब्रं ब्रह्मचारिण्यै नमः' मन्त्र पूर्ण होने पर मां से अपने अभीष्ट के लिए पूर्ण भक्ति भाव से प्रार्थना करें। तदुपरान्त मां की आरती करें तथा कीर्तन करें।

मां ब्रह्मचारिणी का भोग बदलेगा आपका भाग्य

आज के दिन नित्यक्रम से निवृत हो स्नानोपरांत मां भवगती को श्रद्धापूर्वक पूजन करके चीनी का भोग लगावे और चीनी का दान सदाचारी ब्राह्मण को दें। ऐसा करने से शिक्षा में सफलता और मनुष्य दीर्घायु होता है।

चन्द्रमा ग्रह पीड़ा निवारण

जिस जातक की जन्म कुंडली में निजकर्त कर्मों की वजह से चंद्रमा कमजोर हो या चंद्रमा की वजह से आपके जीवन में कोई परेशानी आ रही हो तो माँ भगवती ब्रह्मचारिणी का मंत्र ॐ ऐं क्लीं ह्रीं श्रीं। का जाप करना बहुत ही शुभ रहेगा।

शिक्षा की प्राप्ति हेतु उपाय

1. यदि विद्यार्थी को शिक्षा में परेशानी आ रही हो, स्मरण शक्ति कमजोर हो, पाठ याद नहीं होते हो तो यह उपाय करके देंखे। गुरुवार के दिन 5 पीले पेड़े अपने ऊपर से 7 बार उसार कर और 7 बार ॐ ऐं क्लीं ह्रीं श्रीं। मंत्र का जाप करके गाय को खिला दें।
2. अपने अध्ययन कक्ष में पीले कपड़े में 9 हल्दी की गांठ ॐ ऐं क्लीं ह्रीं श्रीं। मंत्र का जाप करते हुए बांध कर पोटली बना दें और अपने कक्ष में रख दें। शिक्षा में सफलता मिलेगी।

कल मां चंद्र घंटा दिलायेगी संपूर्ण ऋण और कर्ज से मुक्ति।